



जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय
कृषिनगर, अधारताल, जबलपुर 482 004 (म.प्र.)
Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalyaya
Krishi Nagar, Adhartal, Jabalpur 482 004 (M.P.)

डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा
संचालक विस्तार सेवाएं
Dr. Dinkar Prasad Sharma
Director Extension Services

Phone : 0761-2681710 (O) Fax: 2681710
E-mail : desjnau@gmail.com
des@jnkvv.org



सन्देश

मध्यप्रदेश सोयाबीन और गेहूं का एक बड़ा उत्पादक राज्य है। प्रदेश के कुछ जिलों में प्रसिद्ध गुणवत्ता वाले गेहूं की शरबती किस्म उगाई जा रही है। चना, अलसी, हरी मटर, लहसुन और धनिया के उत्पादन में मध्यप्रदेश सबसे आगे है। साथ ही सरसों और मसूर उत्पादन में अग्रणी रहा है। कृषि-जलवायु विविधता और स्थलाकृति विविधताएँ राज्य को अनाज, दलहन, तिलहन और नकदी फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करने में सक्षम बनाती हैं, इसके अलावा वन क्षेत्रों और पौधों की विभिन्न प्रजातियों की असंख्य किस्मों का संग्रहण होने के साथ-साथ जैविक उत्पादन में भी अग्रणी राज्य है। इन सभी सफलताओं के पीछे हमारे कर्मठ किसान भाई व बहने हैं जो पूरी निष्ठा और लगन के साथ दिन रात मेहनत कर कृषि के क्षेत्र में हमारे राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं और इनकी विषम परिस्थितियों में हमारे जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक तथा कृषि महाविद्यालयों के माध्यम से सदैव मार्गदर्शन करते आ रहे हैं, जिसका नतीजा यह है कि मध्यप्रदेश को कृषि की नई आधुनिक तकनीक के विकास और विस्तार और भारत के सर्वश्रेष्ठ कृषि राज्य के सम्मान के लिए सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रो-सॉइल जर्मन सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना, जो की भारत देश के अन्य राज्यों के साथ साथ वर्तमान में मध्य प्रदेश के दो जिलों मंडला व बालाघाट में वर्ष 2016 से मैनेज- हैदराबाद के सहयोग से, विश्वविद्यालय में सफलता पूर्वक चलाई जा रही है, जिसका लाभ हमारे कृषक व कृषक महिला व उद्यमी पूर्ण रूप से प्राप्त कर रहे

है। इस परियोजना के तहत हमारे किसान भाइयों की जागरूकता, उनकी जरूरतों तथा कृषि के प्रति कड़ी मेहनत को देखते हुये, किसान भाइयों को और सफल बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रो-सॉइल के तहत बलराम एप्लीकेशन को उपलब्ध कराया जा रहा है, यह एप्लीकेशन मृदा, जलवायु जैसे मौसम की पूर्व परिस्थितियों से सम्बंधित अत्यधिक महत्वपूर्ण जानकारी देता है। इसके अलावा किसान भाई नजदीकी कृषि मंच के माध्यम से स्वयं कृषि सम्बन्धित जानकारी हमारे विशेषज्ञों के द्वारा ले सकते हैं। आने वाले समय में इस परियोजना का लाभ मध्य प्रदेश के लगभग सभी जिलों में आरंभ किये जाने की सम्भावना है, ताकि हमारे राज्य के कोई भी किसान भाई व बहन इस सुविधा से वंचित न रह जाये। बलराम एप्लीकेशन की सफलतापूर्ण भूमिका को देखते हुए वर्ष 2024 तक 05 लाख से अधिक किसानों तक पहुंचने की उम्मीद है।

मेरी आशा है कि यह बलराम एप हमारे मध्य प्रदेश के सभी किसान भाई व बहनों के लिये लाभकारी सिद्ध होगा। इस नवपरिवर्तन प्रयास को सफल बनाने के लिए मैं हमारे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. पी. के. बिसेन साहब का धन्यवाद करता हूँ। साथ ही इस परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों को बधाई देता हूँ। इस अवसर पर मैं मैनेज हैदराबाद एवं प्रो साइल परियोजना के पोषक जी आई जेड संस्था का भी आभार व्यक्त करता हूँ।



निदेशक विस्तार सेवाएं